मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 280 ■ बुधवार 4 फरवरी 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play · GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

भिवंडी में भाजपा नगरसेवक 2 खेमे में बंटे!

उल्हासनगर में प्रशासकीय राज समाप्त

मनपा मुख्यालय भगवामय

महापौर अश्विनी निकम व उपमहापौर ने पदभार संभाला

■ ढाई वर्ष का कार्यकाल होगा महापौर-उपमहापौर का

■ शहर की सड़कों को बनाना प्राथमिकता- महापौर

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका में पिछले करीब 4 वर्षों से चल रहा प्रशासकीय राज आखिरकार 3 फरवरी 2026 को समाप्त हो गया है। महापौर पद पर शिवसेना की अश्विनी कमलेश निकम व उपमहापौर पद पर भाजपा के अमर लुंड ने पदभार संभाल लिया है। मनपा में एक बार फिर कालानी का वर्चस्व स्थापित हुआ है। शिवसेना में विलय कर कालानी ने सत्ता की भागदौड़ अश्विनी कमलेश निकम जो कालानी परिवार के काफी करीबी व पुराने समर्थक को महापौर देकर अपना वर्चस्व बना लिया है। वहीं भाजपा ने उपमहापौर पद अमर लुंड को देकर शिवसेना के साथ सत्ता में भागीदारी भी पा ली है। अब यहां भाजपा-शिवसेना की महायुति की सत्ता रहेगी। विरोधी पक्ष में कांग्रेस की केवल एक नगरसेविका रहेगी।

ज्ञात हो कि 4 अप्रैल 2022 को उल्हासनगर महानगरपालिका का कार्यकाल समाप्त हो गया है उसके बाद से ही उल्हासनगर शहर में प्रशासकीय राज लागू हो गया। 2017 में मनपा चुनाव हुए थे करीब 9 वर्षों बाद हुए मनपा चुनाव में मतदाताओं ने भाजपा व शिवसेना को बराबरी के वोट देकर विरोधी पक्ष का सफाया कर दिया। ऐसे में भाजपा व शिवसेना ने एक साथ मिलकर सत्ता बना ली। नवनियुक्त महापौर अश्विनी निकम ने कहा कि शहर के सड़कों को बनाना हमारी प्राथमिकता होगी। शहर के सरकारी अस्पतालों व सरकारी स्कूलों का सुधार किया जाएगा। प्रशासकीय राज में जो भ्रष्टाचार बढ़ा है उसके लिए सभी विभागों का जायजा लेकर जाएगा। शहर में पानी व सड़कों की समस्याओं को सुलझाना हमारे लिए अहम कार्य होंगे जो कल से ही शुरू किए जाएंगे।

■ युवा व नए चेहरे से भरा रहा सभागृह

उल्हासनगर मनपा की कल विशेष सभा में करीब 40 युवा व नए चेहरे देखने को मिले। भाजपा-शिवसेना के सभी नगरसेवक भगवा रंग की पगड़ी में बहुमत की ताकत को दर्शा रहे थे। युवाओं में अभी से ही शहर के प्रति जोश देखने को मिला। युवा नगरसेवकों ने कहा कि अगर वरिष्ठ काम करने का मौका देंगे तो शहर को बदलेंगे।

उल्हासनगर का नाम सिंधुनगर होगा?

उल्हासनगर मनपा में 20 अगस्त 2019 को यह प्रस्ताव आया था कि उल्हासनगर शहर का नाम सिंधुनगर किया जाए। 1990 में भी तत्कालीन सांसद राम कापसे ने सिंधू यूथ सर्कल में हुए एक कार्यक्रम में उल्हासनगर का नाम सिंधुनगर करने की घोषणा की थी। पूर्व नगरसेविका कांचन लुंड ने यह प्रस्ताव 20 अगस्त 2019 की आम सभा में रखा था। ऐसे में क्या अब कालानी की सत्ता में भाजपा-शिवसेना इस प्रस्ताव को वापस लाकर शहर का नाम सिंधुनगर करेगी। देवेंद्र फडणवीस ने भी मेट्रो स्टेशन का नाम सिंधुनगर करने की घोषणा की थी.

महापौर-उपमहापौर को राजेश वधरिया ने नारियल भेंट किया

उल्हासनगर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने नवनियुक्त महापौर अश्विनी निकम और उपमहापौर अमर लुंड को बधाई देते हुए नारियल देकर उनका स्वागत किया। नए कार्य की शुरुआत के लिए हम नारियल को शुभ व शुद्ध मानते हैं ऐसे में उन्होंने यह नई प्रथा शुरू की।

कांग्रेस व पत्रकार होंगे विरोधी पक्ष में - रोहित सालवे

भाजपा व शिवसेना में सत्ता में होने के कारण अब कांग्रेस की केवल एक नगरसेविका विरोधी पक्ष में है। ऐसे में पैनल 18 से विजयी हुई कांग्रेसी नगरसेविका अंजली सालवे ने कहा कि शहर के विकास के लिए वो विरोधी पक्ष की भूमिका निभाएंगी और साथ में पत्रकार जो सच्चाई का आईना है वो भी हमारे साथ विरोधी पक्ष की भूमिका में शहर विकास के लिए लड़ेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे ने कहा कि विरोधी पक्ष के कारण ही शहर विकास होगा वरना मिली जुली सरकार विकास होने नहीं देगी।

फोलावर लाइन चौक, उल्हासनगर-3 पर

तेज रफ्तार ट्रक ने दो आटो रिक्शा को रौंदा

■ ट्रक चालक फरार

■ नशे में धुत होने का प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप

■ एक रिक्शा चालक गंभीर घायल

उल्हासनगर. कैंप-3 के फालोवर लाइन चौक पर सोमवार देर शाम एक तेजरफ्तार RMC ट्रक ने दो खड़े रिक्शों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक रिक्शा चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जबकि एक रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक क्रमांक MH 05 GA 5008 नेहरू चौक की ओर से आ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चौक पर ट्रक चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिससे टक्कर हुई। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि घायल चालक को तत्काल उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। गवाहों ने आरोप लगाया कि चालक नशे की हालत में था।सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। ट्रक मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है और फरार चालक की तलाश तेज कर दी गई है। स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। उन्होंने ट्रक चालक और वाहन मालिक पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

अंबरनाथ पश्चिम में विकास कार्य शुरू

■ नालंदा नगर, दीपक नगर में सड़क, ड्रैनेज निर्माण कार्य शुरू

■ नगराध्यक्षा ने किया भूमिपूजन

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के नालंदा नगर, दीपक नगर में मंगलवार को सड़क निर्माण एवं ड्रैनेज के कार्य को नगराध्यक्ष तेजस्विनी करंजुले ने नारियल तोड़कर शुरूआत की. इस प्रभाग के नगरसेवक, कबिर गायकवाड़ ने बताया कि वह और नगरसेविका अर्चना चरण रसाल ने कुछ दिनों पूर्व नगराध्यक्षा से भेंट करके बताया कि चुनाव के समय परिसर के लोगों ने शिकायत की थी कि गत कई वर्षों से इस परिसर में सड़क और ड्रैनेज का कार्य नहीं हुआ है. उन्हें बनाकर दिया जाए. नगराध्यक्षा ने तुरंत कहा कि काम की शुरूआत की जाए. भूमिपूजन के समय परिसर के मस्जिद के मौलाना यूसुफ जमाल ने कहा कि मस्जिद के समक्ष के सड़क और ड्रैनेज की शिकायत उन्होंने भी की थी. उसकी शुरूआत हो चुकी है. सुधा नरेश गायकवाड़ ने कहा कि उन्होंने एवं नरेश गायकवाड़ ने सन 95 में यहां पर विकास कार्य की शुरूआत की थी और आज तक हम रुके नहीं हैं. कबिर गायकवाड़ ने कहा कि हम पांच वर्ष तक विकास कार्य करते रहेंगे. ये अभी काम की शुरूआत है. हम राजकारण नहीं समाजकारण करेंगे. नगराध्यक्षा ने कहा कि शहर के हर प्रभाग में हम विकास कार्य पर जोर दे रहे हैं. नगरसेविका अर्चना चरण रसाल ने उपस्थित लोगों से वादा किया कि इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा. यहां के निवासियों ने भी सड़क और ड्रैनेज के कार्य की शुरूआत पर खुशी का इजहार किया. भूमिपूजन के समय चरण रसाल सत्यजीत गायकवाड़, शहाबुद्दीन, वसंत बंधु आदि उपस्थित थे.

बदलापुर में अतिक्रमण दूसरे दिन भी कार्रवाई

बदलापुर. नगर निगम प्रशासन द्वारा दो महीने पहले घोषित लिस्ट के अनुसार, शहर में 438 अनधिकृत निर्माण हैं। गौरतलब है कि ये अनधिकृत निर्माण शुरू में कोरोना महामारी के दौरान और बाद में प्रशासनिक राज के दौरान बढ़े थे। मंगलवार को नगर परिषद ने लगातार दूसरे दिन इन निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की। यह कार्रवाई अगले कई दिनों तक जारी रहेगी.

बदलापुर शहर पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है। बड़े पैमाने पर रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स होने के कारण, कई दुकानें, बाजार और रेस्टोरेंट भी बने हैं। हालांकि, इन सभी इमारतों या निर्माणों को बनाते समय परमिशन नहीं ली गई थी। 2020 की शुरुआत में कोरोना संकट बढ़ गया था। इस दौरान कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल में जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म हो गया और एडमिनिस्ट्रेटिव राज शुरू हो गया। इस दौरान रेहड़ी-पटरी वाले, गली-मोहल्ले की दुकानें, खाने-पीने की दुकानें, सब्जी या कोई और दुकानें शुरू हो गईं। लेकिन, इंसानियत के नाते इन कंस्ट्रक्शन और दुकानों को तब तक नज़रअंदाज़ किया गया जब तक सब कुछ नॉर्मल नहीं हो गया। हालांकि, उसके बाद इस पर कंट्रोल करना ज़रूरी था। वह नहीं किया जा सका।

कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल की तरफ से अनाधिकृत कंस्ट्रक्शन की जो लिस्ट जारी की गई है, उससे पता चला है कि वहां पेट्रोल पंप, हॉस्पिटल, नामी कंपनियों के शोरूम, गाड़ी बेचने वाली कंपनियों की दुकानें और पुराने कॉर्पोरेटर की दुकानें भी हैं। 438 अनाधिकृत कंस्ट्रक्शन की इस लिस्ट में रेस्टोरेंट, रसवंती, पान तड़का, पोली भाजी केंद्र, किराना स्टोर, आटा चक्की, कार धोने की दुकानें, गैरेज, चाइनीज, सुपरमार्केट, ज़ेरॉक्स शॉप, मछली और मछली की दुकानें, थोक सब्जी मंडी, ऑडिटोरियम, शॉप क्लस्टर, सोसायटी ऑफिस का कंस्ट्रक्शन, बेकरी, कूरियर ऑफिस, मोबाइल शॉप, हॉस्पिटल, सैलून, ढाबे, एक पुराने कॉर्पोरेटर का वॉशिंग सेंटर, ऑटो पार्ट्स और सीमेंट की दुकानें शामिल हैं।

अनधिकृत कंस्ट्रक्शन की संख्या बढ़ेगी

पता चला है कि म्युनिसिपल काउंसिल की तरफ से शुरू किए गए अनाधिकृत कंस्ट्रक्शन के सर्वे में चुनाव के काम की वजह से देरी हुई है। इसलिए, अगर सर्वे दोबारा किया जाता है, तो बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन की संख्या 438 तक पहुंचने की संभावना है।

हत्या के मामले में दो युवती गिरफ्तार

भिवंडी. कथित तौर पर झगड़े के बाद एक अज्ञात व्यक्ति की मौत के सिलसिले में पुलिस ने एक युवती को गिरफ्तार किया है जबकि एक नाबालिग लड़की को हिरासत में लिया है. सहायक पुलिस निरीक्षक जयश्री अनावाने ने बताया कि भिवंडी कस्बे में रविवार को 40 वर्षीय व्यक्ति और दोनों आरोपियों के बीच किसी मुद्दे पर झगड़ा हो गया था. आरोपी 18 वर्षीय व 17 वर्षीय युवतियों ने धामनकर नाका स्थित पुलिस चौकी के पास स्लैब से उस व्यक्ति को कथित तौर पर धक्का देकर नीचे गिरा दिया.

अंबरनाथ में पानी की समस्या दयनीय -किशन कथोरे

■ इसे हम जल्द हल करेंगे

■ दोनों शहर के नगराध्यक्षा को लेकर हुई बैठक

अंबरनाथ. अंबरनाथ में जलापूर्ति की समस्या एकदम दयनीय है. विभाग का कोई नियंत्रण दिखाई नहीं दे रहा है. शहरवासियों को पानी की तकलीफ है. अंबरनाथ शहर के लिए जो योजनाएं मंजूर की गई हैं, उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा. बदलापुर के विधायक किशन कथोरे ने ये बात कही है. दो दिनों पूर्व उन्होंने बदलापुर की नगराध्यक्षा सुचिता घोरपडे और अंबरनाथ की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले की उपस्थिति में जलापूर्ति विभाग एवं वन विभाग के साथ पानी की समस्या पर बैठक लेकर चर्चा की. उसके बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए कथोरे ने कहा कि बदलापुर में तो पानी की समस्या नियंत्रण में है, लेकिन अंबरनाथ में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है. नगराध्यक्षा से शहरवासी पानी के बारे में शिकायत कर रहे हैं. अंबरनाथ में पानी की पाइपलाइन में लीकेज बहुत ज्यादा है. 27 से 30 प्रतिशत तक पानी लीकेज में चला जाता है. नई पाइप लाइन डालकर हम इस लीकेज को 12 से 15% तक कर सकते हैं, तो लोगों को पानी बराबर मिलेगा. पानी के लिए जो योजनाएं बनाई गई हैं, उसे हम गति देंगे. शहर में पानी का बिल बहुत ज्यादा बाकी है. इसके लिए अभय योजना दोनों शहरों में शुरू करने के लिए दोनों नगराध्यक्षा ने विधायक कथोरे से मांग की है. अभय योजना को बहुत जल्द शुरू किया जाएगा. कुशवली डैम पर अंबरनाथ का रिजर्वेशन हो ऐसा अध्यक्षा ने कहा है. इसके उत्तर में किशन कथोरे ने कहा है कि वह संबंधित राज्यमंत्री से भेंट करके प्रस्तावना रखेंगे. पानी की नई टंकियों का निर्माण किया जाएगा. विधायक किशन कथोरे ने अंबरनाथ और बदलापुर की पानी समस्या हल करने का बीड़ा उठाया है.

RTE स्कूल रजिस्ट्रेशन में कमी

■ आर्थिक रूप से कमजोर स्टूडेंट्स शिक्षा के अधिकार से रहेंगे वंचित!

ठाणे. शिक्षा के अधिकार कानून (RTE) के अनुसार, प्राइवेट गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों के स्टूडेंट्स को एडमिशन देने का प्रावधान है। हालांकि, यह बात सामने आई है कि ठाणे जिले में एकेडमिक ईयर 2026-27 के लिए RTE एडमिशन प्रोसेस के लिए पिछले साल की तुलना में कम स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इससे जिले में कुल RTE सीटों में कमी आएगी, जिसका सीधा असर गरीब स्टूडेंट्स के शिक्षा के अधिकार पर पड़ेगा।

ठाणे जिले के 624 स्कूलों ने एकेडमिक ईयर 2025-26 के लिए RTE एडमिशन प्रोसेस के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। हालांकि, इस साल स्कूल रजिस्ट्रेशन की डेडलाइन बढ़ाने के बावजूद, रजिस्ट्रेशन के लिए योग्य स्कूलों की संख्या सिर्फ 539 ही रह गई है। इस वजह से, शिक्षा विभाग ने RTE के तहत उपलब्ध सीटों की संख्या में कमी की संभावना जताई है। पहले फेज़ में RTE के तहत 25 परसेंट एडमिशन प्रोसेस के लिए स्कूल रजिस्ट्रेशन की डेडलाइन 19 जनवरी तक दी गई थी। लेकिन, उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स न मिलने की वजह से स्कूल रजिस्ट्रेशन और स्कूल वेरिफिकेशन प्रोसेस की डेडलाइन 27 जनवरी तक बढ़ा दी गई थी। फिर भी, फाइनल आंकड़े निराशाजनक हैं क्योंकि कई स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया।

एजुकेशन डिपार्टमेंट के मुताबिक, 19 जनवरी तक जिले के सिर्फ 439 स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। एक्सटेंशन के बाद कुल 601 स्कूलों ने अप्लाई किया, लेकिन वेरिफिकेशन के बाद उनमें से सिर्फ 539 ही RTE के लिए एलिजिबल पाए गए। इससे पता चलता है कि RTE एडमिशन प्रोसेस में स्कूलों की हिस्सेदारी काफी कम हो गई है।

स्कूल रजिस्ट्रेशन

मनपा/तालुका	निवेदन	वैध
नवी मुंबई	88	31
ठाणे मनपा	126	126
मीरा-भायंदर	77	77
अंबरनाथ	62	60
कल्याण रूरल	41	41
शहापुर	29	26
भिवंडी मनपा	34	34
भिवंडी रूरल	43	43
KDMC	73	73
मुरबाड	15	15
उल्हासनगर	13	13
कुल	601	539

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

खेल के मैदान पर सियासद

बांग्लादेश के नाहक ही अपनी जिद पर अड़े रहने के कारण उसे क्रिकेट टी20 विश्व कप से बाहर कर दिए जाने के बाद पाकिस्तान की ओर से भारत के साथ मुकाबला न खेलने के एलान को खेल के राजनीतिकरण से जोड़कर देखा जा रहा है। हैरत की बात है कि पाकिस्तान सरकार ने अपने इस निर्णय के पीछे स्पष्ट रूप से कोई वजह भी नहीं बताई है।

ऐसे में माना जा रहा है कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान ने सोची-समझी रणनीति के तहत यह फैसला किया है। यह एक ऐसा कदम है, जिससे न केवल पाकिस्तान क्रिकेट टीम की साख को नुकसान होगा, बल्कि अंत-रराष्ट्रीय खेलों पर भी इसका दूरगामी असर पड़ सकता है।

इससे खेल भावना की गरिमा को भी ठेस पहुंची है, क्योंकि इस तरह के खेलों का आयोजन राष्ट्रों के बीच एकता, शांति, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली माध्यम होता है। इसलिए खेलों को भू-राज-नीतिक तनाव और सियासत के दायरे से परे रखा जाना चाहिए।

दरअसल, इस गतिरोध की शुरुआत आइसीसी के उस फैसले से हुई थी, जिसमें सुरक्षा आश्वासनों को मानने से इनकार करने और अपने सभी मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की जिद के बाद बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया था। आइसीसी के इस फैसले के बाद पाकिस्तान के क्रिकेट और राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिलीं थी।

पाकिस्तान ने भले ही भारत के साथ मैच न खेलने के फैसले की कोई वजह नहीं बताई है, लेकिन उसके मंसूबों को साफ समझा जा सकता है। इसमें दोराय नहीं कि भारत-पाकिस्तान का मुकाबला किसी भी आइसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रोमांचकारी माना जाता है, जिसे वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक दर्शक, प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व मिलता है।

इसलिए आइसीसी के सामने भी वित्तीय और नियामकीय चुनौतियां खड़ी होने की आशंका है। इस बीच, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। ऐसे में आइसीसी को सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में खेल भावना के साथ कोई खिलवाड़ न हो।

विचार: समानता की अनदेखी करने वाले नियम

पिछले दिनों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 नाम से एक नोटिफिकेशन जारी किया। इन नियमों का मकसद शैक्षणिक संस्थानों से धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान, नस्ल या दिव्यांगता के आधार पर भेदभाव को खत्म करना था, लेकिन इन नियमों ने व्यापक विवाद को जन्म दिया। सामान्य वर्ग के छात्र इस आशंका से घिर गए कि इन नियमों में उन्हें पहले से ही अपराधी मान लिया गया है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

इन नियमों में शिकायत की सत्यता जांचने या झूठी शिकायतों को छांटने का कोई ठोस प्रविधान नहीं दिखता। हर आरोप पर तुरंत समिति बैठाकर तेज कार्यवाही तो तय है, लेकिन साक्ष्य की परख, गवाहों की सुनवाई, गोपनीयता और अपील जैसी प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। आरोप लगते ही कार्रवाई होने की जल्दी में सही जांच कैसे होगी? यह बड़ा सवाल है। सवाल यह भी है कि यूजीसी की नई गाइडलाइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों और संवैधानिक निष्पक्षता के बीच कैसे सामंजस्य स्थापित कर पाएगी? वास्तव में न्याय न सिर्फ होना चाहिए, बल्कि होते दिखना भी चाहिए, अन्यथा भरोसा टूट जाता है।

कानूनी दृष्टिकोण से अनुच्छेद-14 के हिसाब से देखें तो यूजीसी के नए नियम समानता के अधिकारों की अनदेखी करते हैं, जबकि अनुच्छेद-15(1) जाति के आधार पर भेदभाव को रोकने का प्रविधान करता है। अदालतों ने कई बार माना है कि गरिमा, निष्पक्षता और उचित प्रक्रियाओं तक पहुंच जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न अंग है। यदि किसी शिक्षक या छात्र को जाति आधारित भेदभाव का सामना करना पड़ता है और वह अनुसूचित जाति या जनजाति या फिर ओबीसी में नहीं आता, तो उसके पास बचाव का कोई कानून न होना प्रक्रियात्मक अन्याय है। बड़ी बात यह है कि यूजीसी गाइडलाइन की धाराएं आपस में ही मेल नहीं खातीं। नियम-2 वंचित समूहों के खिलाफ भेदभाव मिटाने की बात करता है, दूसरी ओर नियम-3(सी) न्याय के अधिकार को केवल कुछ जातियों तक सीमित कर देता है।

पिछले वर्ष फरवरी में यूजीसी ने नियमों का मसौदा संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था। मसौदा नियमों में यह भी प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाए और इसके लिए जुर्माने का प्रविधान रखा गया था, लेकिन अंतिम अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रविधान हटा दिया। वास्तव में झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से निपटने वाले प्रविधानों को हटाना इस गाइडलाइन के लिए ढांचागत कमजोरी के रूप में सामने आया।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार उच्च शिक्षा में 60 प्रतिशत विद्यार्थी आरक्षित वर्ग से थे। ऐसे में यह भी बड़ा सवाल है कि इन 60 प्रतिशत विद्यार्थियों में ही कोई किसी का जाति आधारित भेदभाव करता है तो क्या होगा? इस पर ये नियम चुप हैं। जिस प्रकार अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 और दहेज उत्पीड़न विरोधी धारा-498 ए के तहत कई बार ऐसे उदाहरण मिले हैं जहां झूठे या गलत मामले दर्ज कराए गए और निर्दोष फंसे, वैसा ही खतरा यूजीसी के समता नियमों में भी दिख रहा था। स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इनके दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए गिरफ्तारी से पहले प्राथमिक जांच सुझाए थे। दुनिया भर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय और शिक्षण प्रणालियां भी विविधता और समानता के सिद्धांत अपनाती हैं। अमेरिका के प्रत्येक विश्वविद्यालय के पास एक स्वतंत्र इकाई होती है, जो भेदभाव या उत्पीड़न की शिकायतों की जांच करती है। इस जांच प्रक्रिया में शिकायतकर्ता और आरोपी, दोनों के अधिकारों का ध्यान रखा जाता है। जांच प्रोटोकाल में साक्ष्यों के मानक, अपील का अवसर, गोपनीयता आदि को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाता है, ताकि न्याय हो भी और होता हुआ दिखे भी। अक्सर वहां बाहरी या तटस्थ जांचकर्ता नियुक्त किया जाता है, रिपोर्ट लिखित रूप में तैयार होती है और दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का पूरा मौका मिलता है। इसी तरह ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि की उच्च शिक्षण संस्थानों में भी एंटी-डिस्क्रिमिनेशन नीतियां सबके लिए समान होती हैं।

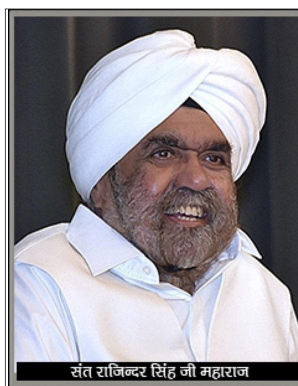

हम चाहे इसे पहचानें या नहीं,
लेकिन प्रभु ही वो धागा हैं जो हमारे
जीवन की बुनाई में पिरोए हुए हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बजट में दिख रहा विकसित भारत का रोडमैप

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जिस तरह की वैश्विक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, नए समीकरण तैयार हो रहे हैं, उसमें सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा बजट पेश करना एक चुनौती भरा काम है, जो संतुलित हो और जिसमें लोकलुभावन प्रस्तावों से बचने की कोशिश की जाए। सरकार का मानना है कि देश अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए दृढ़ संकल्पित है और 2026-27 का आम बजट भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया। किसी भी बजट की उपादेयता इससे साबित होती है कि वह देश की आर्थिक मजबूती में कितना सहायक साबित हुआ और उसका आम जनता के जीवन पर क्या असर पड़ा। इस लिहाज से देखें तो रविवार को पेश बजट को व्यापार और पूंजी के क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों के साथ-साथ भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ तालमेल बिठाते हुए अधिक निर्यात और स्थिर दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करने वाला कहा जा सकता है।

यों इस बजट को गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों के संदर्भ में उम्मीद जगाने वाले प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है, मगर कोई लोकलुभावन घोषणाओं से बचते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। युवा वर्ग के सशक्तीकरण के मकसद से

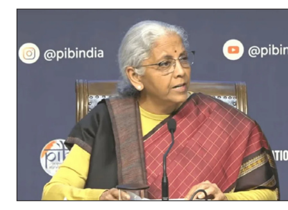

शिक्षा क्षेत्र में लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पचास नए आइआइटी और मेडिकल कालेज खोले जाने की बात कही गई है। साथ ही कौशल के विकास के उद्देश्य से 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम को जमीन पर उतारने के लिए दो लाख करोड़ रुपए और प्रशिक्षु योजना से पांच करोड़ युवाओं को छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों यानी एमएसएमई के क्षेत्र में मदद के साथ ही रोजगार केंद्रित विकास को प्रमुखता दी जाएगी। दरअसल, देश में आज भी विकास के सारे सवाल बढ़ती बेरोजगारी के सामने चुनौती की तरह लगने लगते हैं। इसके मद्देनजर बजट में बेरोजगारी दर को आठ फीसद से नीचे लाने का संकल्प जाहिर किया गया है। मगर सारे निवेश और कार्यक्रम की कामयाबी इस बात पर निर्भर करेगी कि शहरों-महानगरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी रोजगार के कितने अवसर सृजित हुए और उसमें हिस्सेदारी करने के लिए कौशल की कसौटी पर कितनी प्रशिक्षित युवा आबादी तैयार हुई।

इसी तरह, लक्ष्मी वंदना योजना को विस्तार दिया गया है और स्वरोजगार ऋण के नियम शिथिल किए गए, ताकि महिला सशक्तीकरण की दिशा में ठोस नतीजे हासिल किए जा सकें। मगर यह देखने की बात होगी कि इससे जमीनी स्तर पर लैंगिक समानता की स्थितियों को सशक्त बनाने में कितनी मदद मिलेगी। पांच 'विश्वविद्यालय शहर' के निर्माण, डिजिटल नालेज ग्रिड की स्थापना और देश के प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास खोलना युवा सशक्तीकरण की राह को मजबूती दे सकती है। अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के मकसद से विनिर्माण, पर्यटन, दुर्लभ खनिजों के खनन और नई बुनियादी ढांचा परियोजना को बढ़ावा देने का प्रस्ताव किया गया है। बदलते दौर में तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में मजबूती के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र की स्थापना डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करने में मददगार होगी, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि गरीब और अमीर आबादी के बीच डिजिटल विभाजन को पाटा जा सके, क्योंकि आने वाले वर्षों में अगर देश को दुनिया में एक अग्रणी अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसमें समावेशी विकास के सिद्धांत को वास्तव में जमीन पर उतारना होगा।

बुलेटप्रूफ जैकेट से भी ज्यादा मजबूत जानवर की चमड़ी

जरा हट के

इस दुनिया में जीव-जंतुओं की कोई कमी नहीं है. बहुत से जानवर ऐसे हैं जिनके नाम, स्वभाव और खासियतों से हम पहले से ही परिचित हैं. लेकिन इसके साथ-साथ कई जीव ऐसे भी हैं, जिनके बारे में आम लोगों को बहुत कम जानकारी होती है.

जब कभी उनकी अनोखी खूबियां सामने आती हैं, तो लोग हैरान रह जाते हैं और उनके बारे में जानने की जिज्ञासा भी बढ़ जाती है. इसी कड़ी में एक ऐसा जानवर भी है, जिसकी चमड़ी को लोग बुलेटप्रूफ जैकेट जितना मजबूत बताते हैं. आइए जानते हैं कि वह जानवर कौन-सा है और आखिर उसकी चमड़ी को इतना खास क्यों माना जाता है.

जिस जानवर की यहां बात हो रही है, उसका नाम आर्माडिलो (Armadillo) है. इसकी चमड़ी को लेकर अक्सर यह कहा जाता है कि वह बुलेटप्रूफ जैसी मजबूत होती है.

आर्माडिलो दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला एक अनोखा जीव है, जिसकी ऊपरी त्वचा हड्डियों जैसी सख्त प्लेटों से बनी होती है.

हालांकि, यह जानना भी जरूरी है कि क्या आर्माडिलो की चमड़ी वास्तव में बुलेटप्रूफ होती है. एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्माडिलो की चमड़ी जरूर मजबूत होती है और वह उसे छोटे शिकारियों से बचाने में मदद करती है.

जब उसे किसी तरह का खतरा महसूस होता है, तो वह इसी मजबूत कवच के भीतर खुद को समेट लेता है. इस दौरान उसका शरीर पूरी तरह गोल हो जाता है और वह देखने में बिल्कुल फुटबॉल जैसा नजर आता है. इसी वजह से कई लोग इसकी शील्ड को बेहद मजबूत मानते हैं और उसकी तुलना बुलेटप्रूफ जैकेट से करने लगते हैं.

कुत्तों या रैप्टर जैसे बड़े शिकारी इस सख्त कवच को तोड़ सकते हैं. इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि आर्माडिलो की चमड़ी को बुलेटप्रूफ मानने के बजाय, उसे एक मजबूत हार्ड-शेल सूटकेस की तरह समझना ज्यादा सही होगा.

खिला-खिला चना पुलाव

क्या आप भी रोज की दाल-रोटी और सादे पुलाव से बोर हो गए हैं और कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो पौष्टिक भी हो और स्वाद में भी उसका कोई मुकाबला न हो? अगर ऐसा है, तो आज हम आपके लिए लेकर आए हैं एक ऐसी डिश जो आपकी भूख तो मिटाएगी ही, बल्कि मूड को भी बेहतर बना देगी। जी हां, हम काले चने से बनने वाले पुलाव की बात कर रहे हैं, जो घर के बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको बहुत पसंद आता है।

सामग्री :

- काले चने : 1 कप
- बासमती चावल: 1.5 कप
- प्याज: 2 मध्यम
- टमाटर: 2
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 बड़ा चम्मच
- खड़े मसाले: तेजपत्ता, जीरा, एक टुकड़ा दालचीनी, 2-3 लौंग
- पाउडर मसाले: हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और गरम मसाला (स्वादानुसार)
- घी या तेल: 2 बड़े चम्मच
  नमक: स्वादानुसार

बनाने का तरीका:

सबसे पहले एक कुकर में घी या तेल गरम करें। इसमें जीरा और खड़े मसाले डालें। जैसे ही खुशबू आने लगे, कटा हुआ प्याज डाल दें और सुनहरा होने तक भूनें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और एक मिनट चलाएं। इसके बाद कटे हुए टमाटर और नमक डालें। जब टमाटर गल जाएं, तो सारे पाउडर मसाले डालकर तेल छूटने तक पकाएं। अब मसाले में भीगे हुए काले चने डालें और 2 मिनट तक भूनें। इसके बाद भीगे हुए चावल (पानी निकालकर) डालें और हल्के हाथों से मिलाएं ताकि चावल के दाने टूटे नहीं। अब कुकर में लगभग 2.5 से 3 कप पानी डालें (चावल के हिसाब से)। कुकर का ढक्कन बंद करें और 2-3 सीटी आने तक पकाएं। फिर, गैस बंद करें और कुकर की भाप अपने आप निकलने दें। ढक्कन खोलें और ऊपर से हरा धनिया डालें। गरमा-गरम काला चना पुलाव को ठंडे-ठंडे बूंदी के रायते, पापड़ और अचार के साथ परोसें।

महिलाओं में बढ़ रहा है कैंसर का जोखिम?

कैंसर को अक्सर बढ़ती उम्र की बीमारी माना जाता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में डॉक्टरों ने एक चौंकाने वाला बदलाव देखा है। 40 साल से कम उम्र की महिलाओं में कैंसर के मामले धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। हालांकि, बुजुर्गों की तुलना में इस आयु वर्ग में जोखिम अब भी कम है, लेकिन बदलता ट्रेंड चिंता का विषय है। ऐसे में इस बीमारी के खतरे को कम करने के लिए इसके पीछे के कारणों को समझना जरूरी है, ताकि समय पर पहचान करके बीमारी का बेहतर इलाज किया जा सके। आइए जानें इस बारे में डॉ. एस.एम शोएब ज़ैदी (प्रिंसिपल डायरेक्टर एंड यूनिट हेड- सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल, नोएडा) से।

किन अंगों को बना रहा है निशाना?

डॉक्टरों के अनुसार, युवा महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं, जो अक्सर काफी अग्रेसिव होते हैं। इसके अलावा, 30 से 40 की उम्र के बीच महिलाओं में कोलोरेक्टल कैंसर के मामले भी बढ़ रहे हैं। अनियमित स्क्रीनिंग के कारण सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भी कमी देखने को नहीं मिल रही। थायरॉइड और कुछ प्रकार के ब्लड कैंसर के मामले भी बढ़ रहे हैं।

क्यों बढ़ रहा है यह खतरा?

इस बढ़ते जोखिम के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे- मोटापा, शारीरिक गतिविधि में कमी, शराब पीना और अल्ट्रा प्रोसेस्ड डाइट। ये फैक्टर्स हार्मोनल बदलाव पैदा कर रहे हैं। इसके अलावा-

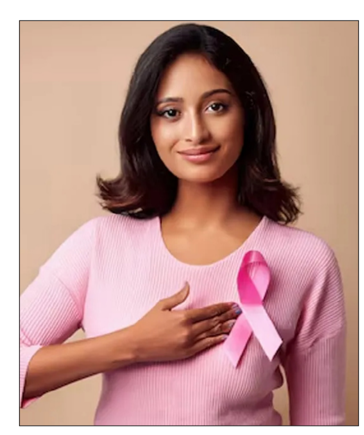

लाइफस्टाइल- देर से शादी और बच्चों के जन्म में देरी, कम प्रेग्नेंसी और ब्रेस्टफीडिंग की कम अवधि भी ब्रेस्ट कैंसर के पैटर्न को प्रभावित कर रही है।

पर्यावरण और तनाव- प्लास्टिक से लेकर कॉस्मेटिक्स तक में पाए जाने वाले एंडोक्राइन-डिस्ट्रप्टिंग केमिकल्स और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड शरीर में सूजन पैदा कर सकते हैं। सुस्त जीवनशैली, बढ़ता तनाव और नींद की कमी भी कैंसर का कारण बन रहा है।

जेनेटिक्स- युवा महिलाओं में कैंसर का एक हिस्सा BRCA जैसे जीन म्यूटेशन से जुड़ा होता है। अगर परिवार में कैंसर का इतिहास रहा है, तो खतरा बढ़ जाता है।

देर से पहचान

अक्सर युवा महिलाओं में कैंसर की पहचान देरी से होती है, क्योंकि लक्षणों को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। उम्र कम होने का मतलब यह नहीं है कि आपको खतरा नहीं है। ब्रेस्ट में गांठ, लगातार पेट से जुड़ी समस्याएं, बिना कारण वजन कम होना, असामान्य ब्लीडिंग या लंबे समय तक थकान को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

बचाव और जागरूकता

जल्दी जांच से इलाज के नतीजों में बड़ा अंतर आ सकता है। महिलाओं को अपने शरीर को समझना चाहिए और इन बातों का ध्यान रखना चाहिए-

नियमित जांच- 50 की उम्र से पहले ब्रेस्ट अल्ट्रासाउंड और 50 के बाद मैमोग्राफी मददगार होती है।

सेल्फ एग्जामिन- ब्रेस्ट सेल्फ-एग्जामिनेशन यानी से खुद से जांच की आदत डालें।

पारिवारिक इतिहास- अगर परिवार में किसी को कैंसर रहा है, तो समय से पहले स्क्रीनिंग शुरू कर दें।

आज का राशिफल

मेष : रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। नौकरी करने वालों को ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ : फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी। रुका धन मिलने से निवेश में वृद्धि होने के योग हैं। उदर संबंधी विकार हो सकते हैं।

मिथुन : विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी। व्यसनाधीनता से बचें। व्यापार, रोजगार मध्यम रहेगा।

कर्क : घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। सरकारी, कानूनी विवाद सुलझेंगे। जोखिम, लोभ, लालच से बचें। नया काम, व्यवसाय आदि की बात बनेगी।

सिंह : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या : चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे। कर्मचारियों पर निगाह रखें। परिवार की समस्या का उचित समाधान होगा।

तुला : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा। स्वयं का सोच अनुकूल रहेगा। रिश्तेदारों से संबंधों की मर्यादा बनाए रखें।

वृश्चिक : चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी। व्यापारिक निर्णय समय पर लेना होंगे। पुरानी बीमारी उभर सकती है।

धनु : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएँगे। समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। साहस, पराक्रम बढ़ेगा। विश्वासप्रद माहौल रहेगा।

मकर : पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है।

कुंभ : प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। विवाद सुलझेंगे।

मीन : पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियाँ निर्मित होंगी। विरोधी आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

डोसा बनाने के लिए इन बातों का रखें ख्याल

बनाने पर नहीं होगा एक भी खराब

ज़्यादातर लोगों का पहला डोसा पैन पर फैलते ही फट जाता है, चिपक जाता है या ठीक से कुरकुरा नहीं बनता. यह समस्या इतनी आम है कि इसे 'पहला डोसा बिगड़ना' एक नॉर्मल किचन रूल की तरह माना जाता है. लेकिन असल कारणों को समझें तो यह गलती से भी बचा जा सकता है. आइए जानें पहला डोसा क्यों बिगड़ता है और इसे परफेक्ट कैसे बना सकते हैं.

1. पैन का सही तापमान न होना

पहला डोसा इसीलिए खराब होता है क्योंकि पैन या तवा या तो बहुत गरम होता है या बहुत ठंडा. तवा को मध्यम आंच पर 2–3 मिनट प्रीहीट करें. तवे पर थोड़ा पानी छिड़कें, अगर पानी तुरंत सिज़ल हो जाए, तवा तैयार है. तवा बहुत गरम हो जाए तो उस पर आधा प्याज़ डुबोकर पानी लगा दें, तापमान सही हो जाएगा.

2. पैन पर अधिक तेल होने से भी डोसा फैलता नहीं

पहले डोसे पर लोग तवा ज्यादा चिकना कर देते हैं। इससे बैटर फिसलता है और फैलता नहीं. पहला डोसा डालने से पहले तवे को हल्का सा तेल से ग्रीस करें. तेल को कपड़े/पेपर से पोंछकर अतिरिक्त तेल हटा दें.

3. बैटर का कंसिस्टेंसी ग़लत होना

गाढ़ा बैटर मोटा डोसा बनाता है और पतला बैटर फैलते ही फटता है. बैटर न ज्यादा गाढ़ा हो, न पानी जैसा. चम्मच उठाने पर बैटर बहते हुए लेकिन मोटा ट्रेल बनाए, यही सही कंसिस्टेंसी है.

4. तवे की सतह का बहुत साफ़ या बहुत नया होना

नया नॉन-स्टिक तवा या बहुत साफ़ आयरन तवा बैटर को पकड़ नहीं पाता. आयरन तवा हो तो पहले उस पर एक पराठा/उपमा बनाकर तवा सीज़न करें. नॉन-स्टिक तवे पर तेल लगाने की ज़रूरत कम होती है.

5. प्याज़ से तवा ग्रीस करने की पुरानी ट्रिक

दक्षिण भारत में पहले डोसे के लिए तवा प्याज़ से रगड़कर ग्रीस किया जाता है. आधा प्याज़ काटें. उसे तेल में डुबोकर तवे पर गोलाकार चलाएं. इससे तवा न तो बहुत चिकना रहता है, न सूखा, डोसा परफेक्ट बनता है.

अंत में सबसे खास टिप- धैर्य रखें

पहला डोसा डालते समय पैन को सही तापमान पर आने दें. जल्दीबाज़ी में तवे पर बैटर डालेंगे, तो डोसा बिगड़ना तय है. पहला डोसा इसलिए बिगड़ता है क्योंकि तवा सही तापमान पर नहीं होता, बैटर का कंसिस्टेंसी ग़लत होता है या तवा ग्रीसिंग में गलती होती है. ऊपर दिए गए ट्रिक्स अपनाएं, फिर आपका पहला ही डोसा खस्ता, गोल और परफेक्ट बनेगा.

पैरों को गुनगुने नमक पानी में रखने के फायदे

1. दर्द और थकान में राहत

पैरों को गुनगुने नमक पानी में डुबोने से पैरों और शरीर में जमा भारीपन और थकान कम होती है. हल्के दर्द और ऐंठन भी दूर होती है, जिससे शरीर तुरंत हल्का महसूस करने लगता है.

2. बेहतर नींद

यह अभ्यास शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है और मस्तिष्क को आराम देता है. नतीजा यह होता है कि नींद गहरी और आरामदायक होती है.

3. शरीर का हल्का महसूस होना

नमक पानी शरीर के भारीपन को कम करता है. पाद-स्नान के बाद पूरा शरीर हल्का महसूस करता है और मन को भी राहत मिलती है.

4. मानसिक बेचैनी कम करना

नमक और पानी का मिश्रण नाड़ियों के तंत्र को शांत करता है. इससे मानसिक बेचैनी घटती है और मन स्थिर महसूस करने लगता है.

आयुर्वेद क्या कहता है

आयुर्वेद में पाद-स्नान को एक सरल और प्रभावी उपाय माना गया है. रोजाना शाम के समय अगर शरीर और मन भारी महसूस हो, तो पाद-स्नान इसे संतुलित करने में मदद करता है. यह अभ्यास शरीर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है, मस्तिष्क को आराम देता है और तनाव घटाता है. नियमित पाद-स्नान से हैप्पी हॉर्मोन का स्तर बढ़ता है, जिससे मूड बेहतर रहता है और थकावट जल्दी नहीं लौटती. आयुर्वेद के अनुसार यह अभ्यास न केवल शरीर को हल्का करता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और मानसिक शांति भी बढ़ाता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

दामाद ने साथी संग की दंपति की हत्या

मैनपुरी. यूपी के मैनपुरी में बरनाहल थाना क्षेत्र के ग्राम फूलापुर में हुए दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया। रिश्ते के दामाद ने गांव के युवक के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था। शादी से जुड़े आभूषण लूटने और पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए दंपति की गोली मारकर हत्या की गई थी। पुलिस ने लूटे आभूषण और दो तमंचे आरोपियों से बरामद किए हैं। 26/27 जनवरी की रात फूलापुर निवासी 60 वर्षीय रमेश चंद्र शाक्य और 58 वर्षीय उनकी पत्नी अनीता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के पुत्र ललित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। घटना के बाद से ही पुलिस को इस बात का शक था कि किसी करीबी ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने घटनास्थल और 6 किमी के दायरे में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए और सर्विलांस सेल की मदद से घटना के समय इस्तेमाल किए गए फोन कॉल रडार पर लिए।

50 हजार रुपये रिश्वत लेते SHO रंगे हाथ गिरफ्तार

गाजियाबाद. मोदीनगर में मेरठ की विजिलेंस टीम ने 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए निवाड़ी थाना प्रभारी जयपाल सिंह रावत को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गांव अबूपुर निवासी राकेश कुमार ने मेरठ की विजिलेंस टीम को शिकायत की थी कि एक केस में नाम निकालने के बदले निवाड़ी थाना प्रभारी उससे 50 हजार रुपये रिश्वत मांग रहे हैं। इसके बाद सीओ आजाद सिंह केसरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। विजिलेंस टीम ने एक जाल बिछाते हुए केमिकल लगे नोट देकर मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे राकेश कुमार को थाना प्रभारी जयपाल सिंह के पास भेजा। राकेश ने जब थाना प्रभारी को 50 हजार रुपये दिए तो विजिलेंस टीम ने उन्हें दबोच लिया।

युवक की सिर कूचकर हत्या

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सनसनीखेज मर्डर की खबर आ रही है। यहां सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के मुल्ला खेड़ा में सोमवार देर रात 40 वर्षीय संतराम की ईंट से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। शव मुल्ला खेड़ा में सड़क किनारे खुह से लथपथ हालत में मिला। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस वारदात की जांच पड़ताल में लग गई है। पुलिस आसपास के लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है। वहीं वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। वारदात में मारा गया युवक संतराम चौरासी गांव के रहने वाला था। बताया जा रहा है कि युवक संतराम मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह खून से लथपथ शव पड़ा होने की सूचना पर मुल्ला खेड़ा में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने शव की पहचान की।

पुलिस गोली न मारे तो क्या गोली खाए?

- सीएम योगी बोले- जो जिस भाषा में समझे उसी भाषा में...

लखनऊ. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी सरकार की नीति को एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है। अपराधियों के खिलाफ पुलिस की मुठभेड़ की कार्रवाइयों पर उठने वाले सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति हमारी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है और इसमें किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिप्पणी की जाती है कि पुलिस ने गोली क्यों मारी? सीएम योगी ने पूछा कि पुलिस गोली न मारे तो क्या गोली खाए? कहा कि जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी भाषा में समझाया ही जाएगा। सीएम योगी मंगलवार को लखनऊ में आयोजित पहले फार्मा कान्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी का यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले ही हफ्ते इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में हो रहे हाफ एनकाउंटर (पैर में गोली मारने की घटनाओं) पर सवाल उठाते हुए कहा था कि पुलिस के पास दंड देने का हक नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने तय किया है कि कानून सभी के लिए बराबर है। कोई अपना या पराया नहीं है। यदि कोई अपना व्यक्ति भी गलत करेगा तो उस पर वही कठोर कानून लागू होगा जो किसी माफिया पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा प्रयास किया कि कार्रवाई कानून के दायरे में रहकर हो, लेकिन अगर सामने वाला अपराधी कानून से भयभीत नहीं है, तो उसे उसी की भाषा में समझाना तात्कालिक परिस्थिति की मांग हो जाती है।

पुलिस को पिस्तौल और प्रशिक्षण दिया जाता है

सीएम योगी ने कहा कि बहुत बार लोग सवाल उठाते हैं कि पुलिस ने गोली क्यों मार दी। मैं पूछता हूं कि पुलिस गोली न चलाए तो क्या गोली खाए? यह दोनों काम एक साथ नहीं चल सकता। अगर अपराधी को गोली चलाने की स्वतंत्रता है तो पुलिस के पास भी पिस्तौल इसीलिए है कि वह उसका डटकर मुकाबला करे। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस का प्रशिक्षण ही इसीलिए होता है कि कोई अपराधी जिस भाषा को समझता है, उसे उसी भाषा में जवाब दे सके।

सीएम योगी ने अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि जब पुलिस ने अपराधियों को उनकी भाषा में समझाना शुरू किया, तभी प्रदेश में बदलाव आया है। पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश के बड़े-बड़े त्योहार शांति से संपन्न हुए हैं। कहीं कोई अराजकता नहीं है। आज प्रदेश में कहीं दंगा-फसाद, गुंडा टैक्स या अराजकता की बात नहीं होती है।

लोकसभा में राहुल के भाषण पर दूसरे दिन भी हंगामा

- नरवणे पर आर्टिकल दिखाया, तो स्पीकर ने रोका
- पेपर उछालने वाले 8 विपक्षी सांसद निलंबित

नई दिल्ली. लोकसभा में राहुल गांधी की स्पीच पर लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। राहुल ने मंगलवार दोपहर 2 बजे पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश्ड बुक के आर्टिकल को सदन में पेश किया। कहा- मुझे बोलने दिया जाए।

उनके यह कहते ही एनडीए के सांसदों ने टोकना शुरू कर दिया। आज वे 14 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे। राहुल ने कहा- 'मुझे परमिशन नहीं दी जा रही है। मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं। मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। मैं बस बता रहा हूं की चाइना-इंडिया के बीच में क्या हुआ। पूर्वी लद्दाख में हमारे सैनिक शहीद हुए।'

हंगामा के दौरान पीठासीन की तरफ पेपर उछालने वाले 8 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इनमें कांग्रेस के 7 सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, प्रशांत परोले, मणिकम टैगोर, किरण कुमार रेड्डी, हिबी ईडन, गुरजीत औजला, डीन कोरियोकोज और एक माकपा सांसद एस वेंकटेशन शामिल हैं।

राहुल ने सोमवार को भी 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश की थी। सदन की कार्यवाही 3 बार स्थगित हुई। राहुल गांधी को राजनाथ ने 11 बार, शाह ने 7 बार टोका। इसके अलावा किरेन रिजिजू ने 2 बार और अनुराग ठाकुर ने 6 बार रोका था।

उधर, राहुल के समर्थन में सपा सांसद नरेश उत्तम पटेल, TMC सांसद शताब्दी रॉय और DMK सांसद डी एम कातिर आनंद ने भी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने से इनकार कर दिया।

गुवाहाटी में पलंग के बॉक्स से नाबालिग बच्ची का रेस्क्यू

- आरोपी महिला ने टीम से छिपाने के लिए बंद किया था
- 6 साल तक बंधक बनाया

गुवाहाटी. असम के गुवाहाटी में 13 साल की बच्ची को रेस्क्यू किया गया है। उसे एक परिवार ने 6 साल से कैद किया हुआ था, बच्ची से घर के काम कराए जाते थे।

गुवाहाटी की डिस्ट्रिक्ट लेबर टास्क फोर्स ने 1 फरवरी को पंजाबारी के जुरिपार इलाके में मकान नंबर 69 में छापा मारा था। यह घर अमरीन अख्तर लस्कर नाम की महिला का है।

टीम को देख अमरीन ने बच्ची को पलंग के बॉक्स में बंद कर दिया। ऊपर से गद्दा बिछाकर परिवार के सदस्य को लिटा दिया।

टीम ने घर की तलाशी ली, करीब 25 मिनट बाद बच्ची का पता चला। उसे पलंग से बाहर निकाला गया। इस दौरान अधिकारी अमरीन को फटकारते नजर आए

मोदी, शाह के सामने TMC सांसदों की नारेबाजी

नई दिल्ली. TMC सांसद कल्याण बनर्जी ने पीएम मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह के सामने नारेबाजी की। दरअसल, जैसे ही पीएम सदन में पहुंचे, कल्याण बनर्जी वेल से निकलकर दूसरी तरफ पहुंच गए। मोदी, शाह और राजनाथ के सामने नारेबाजी करने लगे। राजनाथ उन्हें वापस जाने के लिए कहते रहे।

राहुल सोमवार को 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। हंगामें की वजह से कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई। उन्होंने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक का हवाला दिया। कहा कि 4 चीनी टैंक लद्दाख बॉर्डर के पास पहुंच गए थे।

इस दौरान राहुल को राजनाथ ने 11 बार, शाह ने 7 बार टोका। इसके अलावा किरेन रिजिजू ने 2 बार और अनुराग ठाकुर ने 6 बार रोका।

लोकसभा में राहुल की स्पीच की दौरान हंगामा हो रहा था। राहुल पीएम और राजनाथ का नाम ले रहे थे। तभी स्पीकर ओम बिरला ने कहा-नियम प्रक्रिया के 353 के अंदर किसी भी व्यक्ति पर जो आरोप लगा रहे हैं उसके पहले आपको लिखित में देना पड़ेगा। इसे मानना पड़ेगा। अगर नहीं मानेंगे तो मैं परमिशन नहीं दूंगा। अगले वक्ता को बुलाउंगा। आप नहीं बोलना चाहते तो अगले वक्ता अखिलेश यादव को बुलाता हूं।

नेपाल सीमा पर नशीले इंजेक्शन की खेप पकड़ाई

इंडो-नेपाल सीमा पर एसपी सोमेंद्र मीना के निर्देश पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बरगदवा पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। सीमा स्तंभ के पास घेराबंदी कर दो शातिर तस्करों को टीम ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से 150 शीशी प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन, दो मोबाइल, एक बाइक व नगदी बरामद हुई है। पकड़े गए दोनों आरोपित ठूठीबारी क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार बरगदवा पुलिस व एसएसबी की टीम ग्राम चकरार स्थित बैरियर चेकपोस्ट पर तैनात थी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक बाइक से नशीली दवाओं की बड़ी खेप लेकर सीमा पार करने की फिराक में हैं।

85 लाख के गहने चुराकर मोमोज खाए

- 7वीं के छात्र ने घर की अलमारी खाली कर दी
- दुकानदार रोज खिलाकर गहने लेता रहा

देवरिया. देवरिया में 14 साल का एक लड़का 85 लाख के मोमोज खा गया। वह तीन महीने से घर में चोरी कर रहा था। हर दिन वह एक जेवर अलमारी से निकालता और दुकानदार को थमा देता। दुकानदार गहने लेकर रोज उसे मोमोज खिलाता रहा।

मोमोज खाने की लत में लड़का हार, अंगूठी, बिछिया, बाली आदि जेवर तीन दुकानदारों को दे आया। रविवार को परिजनों ने जब अलमारी खोली और जेवर नहीं पाए तो उनके होश उड़ गए।

बच्चे से पूछा तो उसने पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजनों ने थाने में नाबालिग बेटे और तीन आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने सोमवार शाम को नाबालिग और तीन युवकों पर केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। मामला रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र का है।

भगवानपुर तिवारी गांव निवासी विमलेश मिश्र पुत्र रामायण मिश्र वाराणसी के एक मंदिर में पुजारी हैं। उनका नाबालिग बेटा गांव में रहकर पढ़ाई करता है। विमलेश मिश्र के अनुसार उनके बेटे को मोमोज खाने की आदत थी।

इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए देवरिया–कसया मार्ग स्थित डुमरी चौराहे पर मोमोज की दुकान लगाने वाले तीन युवकों ने उसे अपने झांसे में ले लिया। आरोप है कि युवकों ने लालच देकर बेटे को बहकाया। जिससे बेटा घर की अलमारी से जेवर निकाल-निकालकर उन्हें देता रहा।

अगस्ता वेस्टलैंड सेना के लिए फिर हेलिकॉप्टर सप्लाई करेगी

नई दिल्ली. इटली की कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड क्लीन चिट मिलने के पांच साल बाद फिर भारत के रक्षा क्षेत्र में एंट्री करने जा रही है। यह वही कंपनी है, जिसका नाम बहुचर्चित VVIP हेलिकॉप्टर कांड से जुड़ा था। इसने करीब एक दशक तक भारतीय राजनीति को झकझोर दिया था।

अगस्ता की पैतृक कंपनी लियोनार्डो के साथ अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की डील को अंतिम रूप दिया जा चुका है। अडाणी ग्रुप के अनुसार इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को होगी। लियोनार्डो कभी फिनमैकेनिका के नाम से जानी जाती थी।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला 3,600 करोड़ का एक VVIP हेलिकॉप्टर खरीद घोटाला है। इसमें कंपनी पर 12 एडब्ल्यू-101 (AW-101) हेलिकॉप्टर की खरीद में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों और बिचौलियों को लगभग .360 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है।

मणिपुर में जल्द सरकार बनने की संभावना

- राष्ट्रपति शासन अगले हफ्ते खत्म

इंफाल. भाजपा ने मणिपुर में नई सरकार बनाने की कवायद शुरू कर दी है। BJP संसदीय बोर्ड ने सोमवार को पार्टी के नेशनल जनरल सेक्रेटरी तरुण चुग को मणिपुर में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सेंट्रल ऑब्जर्वर नियुक्त किया है।

मंगलवार को BJP विधायक दल की बैठक होने की संभावना है। अभी बैठक की जगह अभी तय नहीं है। हालांकि, NDA के कई विधायक पहले ही दिल्ली पहुंच गए हैं। मणिपुर से NDA के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे।

अन्य विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे। दिल्ली पहुंचे नेताओं में पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत सिंह, पूर्व मंत्री वाई. खेमचंद सिंह और BJP प्रदेश अध्यक्ष ए. शारदा देवी शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार शाम 3 बजे विधायक दल के नेता का ऐलान किया जा सकता है। इसके बाद, राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। भाजपा के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया है कि कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है।

बिहार में पीएम किसान के साथ-साथ कर्पूरी सम्मान निधि

अब सालाना 6 हजार के बदले 9000 मिलेंगे

पटना. बिहार में किसान सम्मान निधि योजना की राशि डेढ़ गुना बढ़ा दी गई है। इसके लिए नीतीश सरकार ने जननायक कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की है। इसके तहत किसानों को साल में 3000 रुपये एक्स्ट्रा मिलेंगे। यह राशि पीएम किसान सम्मान निधि की मौजूदा राशि के साथ ही डीबीटी के माध्यम से किसानों के खाते में सीधे ट्रांसफर की जाएगी। मंगलवार को बिहार विधानमंडल में पेश हुए बजट में इसकी घोषणा की गई।

केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अभी तक हर साल कुल तीन किस्तों में लाभार्थियों को कुल 6000 रुपये दिए जाते हैं। एक किस्त में किसानों के खाते में 2000 रुपये आते हैं। अब बिहार सरकार ने कर्पूरी ठाकुर के नाम पर अलग से किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की है। इसके तहत प्रति किस्त 1000 और कुल तीन किस्तों में 3000 रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे।

इस तरह, बिहार के किसानों को पीएम किसान एवं जननायक कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि, दोनों योजनाओं को मिलाकर हर किस्त में कुल 3000 रुपये मिलेंगे। यानी कि साल में कुल तीन किस्तों में बिहार के किसानों को 6000 की बजाय कुल 9000 रुपये दिए जाएंगे।

टी-20 वर्ल्डकप टूर्नामेंट 7 फरवरी से

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। इससे पहले, 5 फरवरी को ICC ने कैप्टन्स डे रखा। कैप्टन्स डे दो शहरों मुंबई (भारत) और कोलंबो (श्रीलंका) में होगा। कैप्टन्स डे एक मीडिया कार्यक्रम है, जहां कप्तान मीडिया से बात करेंगे।

मुंबई में 12 टीमों के कप्तान आएंगे मुंबई में होने वाले कैप्टन्स डे मीट में कुल 12 टीमों के कप्तान हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तान शामिल होंगे। सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत के दौरान टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

ग्रुप-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 3:00 बजे और ग्रुप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 3:30 बजे शुरू होगी। यह कैप्टन्स डे मीट BCCI ऑफिस वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई) में आयोजित की जाएगी।

कोलंबो में 8 देशों के कप्तानों की कैप्टन्स डे मीट 5 फरवरी को कोलंबो में भी कैप्टन्स डे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, नीदरलैंड, ओमान, पाकिस्तान, यूएई और जिम्बाब्वे की टीमों के कप्तान शामिल होंगे। यहां भी सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत करते हुए टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिनहले स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे।

बलूच महिलाएं क्यों उठा रही हैं AK-47?

- पाकिस्तान की सेना के खिलाफ जंग

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच विद्रोहियों के हमलों ने सरकार और सेना दोनों की स्थिति को बेहद कमजोर कर दिया है। बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान के 12 अलग-अलग स्थानों पर सुरक्षा बलों, पुलिस और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर हमले किए, जिनमें कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी मारे गए। इन घटनाओं से प्रांत में सुरक्षा स्थिति गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री सरफराज बुगती इन हमलों के बाद सार्वजनिक रूप से बहुत व्यथित नजर आए। इन हमलों के बाद बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा जारी की गई दो हमलावरों की तस्वीरें काफी चर्चा में रहीं। इन तस्वीरों में दोनों हमलावर महिलाएं थीं। यह बात इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि सशस्त्र उग्रवाद को लंबे समय से पुरुष-प्रधान गतिविधि के रूप में देखा जाता रहा है।

हाल के दिनों में हुए हमलों में कुल 50 नागरिकों और 17 सुरक्षाकर्मियों की मौत के बाद बीएलए ने दो महिला हमलावरों की पहचान जाहिर की। इनमें से एक की पहचान 24 वर्षीय आसिफा मेंगल के रूप में हुई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी पुष्टि की कि कम से कम दो हमलों में महिला उग्रवादियों की भूमिका रही। बीएलए के अनुसार, आसिफा मेंगल ने जनवरी 2024 में फिदायीन हमले का फैसला किया था और नुश्की में एक हमला अंजाम दिया।

इसी बीच सोशल मीडिया पर बीएलए से जुड़ी एक महिला लड़ाके का वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वह हथियारों से लैस होकर सुरक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास गतिविधियां करती दिख रही थी। वीडियो में उसके साथ पुरुष लड़ाके भी नजर आए, जो पाकिस्तानी सरकार और सुरक्षा बलों पर तंज कसते दिखे।

बलूच महिलाओं की बढ़ रही भागीदारी

हाल के वर्षों में बलूच महिलाओं की सशस्त्र संगठनों में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब महिला आत्मघाती हमलावर सामने आई हों। वर्ष 2022 में कराची विश्वविद्यालय के कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट के बाहर हुए हमले में पहली बार एक महिला फिदायीन की भूमिका सामने आई थी.

देहरादून में 100 मीटर गहरी खाई में गिरी बस

- 4 की मौत, 32 से ज्यादा घायल, 12 की हालत गंभीर
- पांवटा साहिब जा रही थी

देहरादून. देहरादून में हिमाचल प्रदेश की हिमाचल पथ परिवहन निगम (HRTC) बस 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे 4 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 32 से ज्यादा लोग घायल है, जिनमें से 12 की हालत गंभीर है। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

हादसे के बाद राहगीरों और ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को रेस्क्यू कर नजदीकी अस्पताल विकासनगर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

मामले में हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने देहरादून के अधिकारियों को फोन कर घायलों की जानकारी ली। वहीं सीएम पुष्कर सिंह धामी ने डीएम सविन बंसल को फोन कर नजदीकी अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए।

SDRF के अधिकारी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि हादसा देहरादून के त्यूणी क्षेत्र में हुआ। सुबह करीब 10 बजे हिमाचल प्रदेश के नेरवा-चौपाल से पांवटा साहिब जा रही HRTC की बस हरिपुर-क्वानू मीनस मार्ग पर क्वानू के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। SDRF की टीमें पोस्ट डाकपत्थर, चकराता, मोरी और त्यूणी से तत्काल घटनास्थल के लिए भेजी गई।

ट्रक को साइड देने के चक्कर में हादसा

जानकारी के मुताबिक, मीनस-क्वानू-हरिपुर रोड पर सुदोई खड्ड के पास ट्रक को साइड देने के चक्कर में यह हादसा हुआ है। बस के सड़क के किनारे की तरफ जाने से यह डिसबैलेंस हो गई।

डिलीवरी बॉयज ने हेलमेट से पीट-पीटकर की कारोबारी की हत्या

दिल्ली. दिल्ली के कनॉट प्लेस से खौफनाक घटना सामने आई है जहां तीन फूड डिलीवरी एजेंट्स ने एक बिजनेसमैन की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 36 साल के कारोबारी शिवम गुप्ता के तौर पर हुई है। 3 जनवरी की रात वह एक पार्टी से लौट रहे थे। तभी तीन फूड डिलीवरी राइडर्स ने कथित तौर पर बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल शिवम करीब दो हफ्तों तक अस्पताल में मौत से जूझते रहे, लेकिन आखिराकर 19 जनवरी को उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे की तलाश जारी है।

AI ड्रीमलाइनर के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच शुरू

नई दिल्ली. एअर इंडिया ने अपने सभी 787 ड्रीमलाइनर विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की दोबारा जांच कर दी है। यह फैसला लंदन के हीथ्रो से बेंगलुरु विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच में गड़बड़ी के बाद लिया गया है।

विमान में 200 यात्री सवार थे। एयर इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मनीष उप्पल ने बोइंग 787 के पायलटों को ईमेल भेजकर यह जानकारी दी। फिलहाल एयर इंडिया के बेड़े में 32 बोइंग 787 विमान हैं।

मनीष उप्पल ने इमेल में बताया कि फ्यूल कंट्रोल स्विच के लैच की एहतियातन फ्लीट-वाइड री-इंस्पेक्शन की जा रही है। इंजीनियरिंग टीम को बोइंग कंपनी के पास भेजा है। कंपनी का जबाव आने तक,अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए सभी विमानों की जांच शुरू की गई है। अब तक के विमानों की जांच में कहीं कोई भी गड़बड़ी नहीं मिली है। एयर इंडिया ने क्रू से कहा है कि संचालन के दौरान दिखने वाली किसी भी तकनीकी गड़बड़ी को तुरंत रिपोर्ट करें। विमान का हैंडओवर लेने से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएं।

लंदन-बेंगलुरु का स्विच लॉक हो था

एक पायलट ने बोइंग 787 विमान में फ्यूल कंट्रोल स्विच से जुड़ी खराबी की रिपोर्ट दी थी। उसने बताया कि स्विच लॉक हो गया है। यह विमान रविवार को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से रवाना होकर सोमवार सुबह बेंगलुरु पहुंचा था। रिपोर्ट के बाद विमान की उड़ान पर पाबंदी लगा दी गई है।

संक्षेप...

रोहित शेट्टी हमला : आरोपी 5 फरवरी तक पुलिस हिरासत में

मुंबई. फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों—स्वप्निल बंदू सकट (23), सिद्धार्थ दीपक ऐनपुरे (19), समर्थ शिवशरण पोमाजी (19), और आदित्य ज्ञानेश्वर गायकी (19)—को रविवार देर रात एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने चारों आरोपियों को 5 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

हत्या की साजिश का आरोप पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी समर्थ शिवशरण पोमाजी ने वांटेड आरोपी शुभम लोनकर के साथ मिलकर रोहित शेट्टी को मारने की आपराधिक साजिश रची थी। इस साजिश के तहत, उन पर शेट्टी की हत्या के इरादे से उनके घर की तरफ हथियार से अंधाधुंध फायरिंग करने का आरोप है। रोहित शेट्टी के सिक्योरिटी गार्ड की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था।

भिवंडी में भाजपा नगरसेवक 2 खेमे में बंटे!

भिवंडी मनपा महापौर बनाने की कोशिश का भाजपा विधायक महेश चौगुले को लगा भारी धक्का

भिवंडी. भिवंडी मनपा महापौर को लेकर भिवंडी भाजपा में 'आल इज बेल नहीं है' भिवंडी मनपा में महायुति का महापौर बिठाने की जोर आजमाइश में जुटे भाजपा विधायक महेश चौगुले की कोशिशों को भारी धक्का लगा है. 2 दिन पूर्व महापौर नाम को लेकर हुई चर्चा से नाराज करीब दर्जन नगरसेवकों द्वारा नारायण चौधरी के नाम का विरोध कर पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे वरिष्ठ पार्षद सुमित पाटिल के पक्ष में हो चुके हैं. महापौर नाम को लेकर भाजपा में दो फाड़ हो चुका है. सूत्रों की माने तो, भाजपा के अधिसंख्यक नगरसेवक पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल से भेंटकर वरिष्ठ पार्षद सुमित पाटिल को महापौर बनाए जाने का समर्थन दे चुके हैं.

गौरतलब हो कि, 2 दिन पूर्व भिवंडी कल्याण मार्ग स्थित के.एन.पार्क होटल में भाजपा विधायक महेश चौगुले की अध्यक्षता में महापौर के नाम की चर्चा के लिए नगरसेवकों की बैठक हुई थी. भाजपा विधायक महेश चौगुले, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत, भाजपा गट नेता संतोष शेट्टी सहित तमाम नगरसेवकों द्वारा नगरसेवक नारायण चौधरी और सुमित पाटिल के नाम पर चर्चा कर अंततः दोनों नामों को शीर्ष नेतृत्व को भेजने की सहमति हुई. सूत्रों की माने तो बैठक के बाद भाजपा के करीब दर्जन भर पुराने, निष्ठावान नगरसेवकों ने नारायण चौधरी के नाम पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि, पहली बार भाजपा से चुने गए नगरसेवक नारायण चौधरी पहले शिवसेना में रहकर तमाम चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ चुनावी कार्य अंजाम देकर पार्टी का नुकसान किया है. चौधरी को किसी भी हालत में महापौर का उम्मीदवार नहीं बनाया जाना चाहिए. भाजपा विधायक चौगुले मनमानी तरीके से दबाव की राजनीति कर भिवंडी में भाजपा पार्टी का नुकसान करने पर तुले हुए हैं. भाजपा वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी, यशवंत टावरे, एड वैभव भोईर, प्रकाश टावरे सहित करीब दर्जन भर भाजपा नगरसेवकों का गुट पार्षद सुमित पाटिल के समर्थन और नारायण चौधरी के विरोध में उतर चुका है. महापौर के नाम की घोषणा के पूर्व ही भिवंडी भाजपा में नगरसेवकों का अंतर्कलह खुल कर सामने आ गया है. मनपा प्रभाग क्रमांक 22 से अपक्ष नगरसेवक नितेश एनकर भी भाजपा वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी के साथ वरिष्ठ पार्षद सुमित पाटिल को ही महापौर बनाए जाने में जुटे हैं.

बहुमत के लिए 46 के जादुई आंकड़े से सभी दूर

90 नगरसेवकों वाली भिवंडी मनपा में कांग्रेस 30, भाजपा 22, शिवसेना 12, सपा 6, राष्ट्रवादी 12, कोणार्क विकास आघाड़ी 4, भिवंडी विकास मंच 3 सहित अपक्ष 1नगरसेवक शामिल है .भिवंडी मनपा में महापौर बनाने के लिए किसी भी राजनीतिक दल के पास बहुमत का 46 जादुई आंकड़ा नहीं होने से महापौर का चुनाव सिर्फ अन्य दलों के गठबंधन पर ही टिका है .महायुति अन्य दलों के आसरे अपना महापौर बिठाने की जद्दोजहद में जुटी है . भिवंडी में भाजपा- शिवसेना ने अलग-अलग चुनाव लड़ा है . शिवसेना ने अभी तक कोई प्रत्याशी घोषित नहीं किया है .

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल भी अपने राजनीतिक कौशल के दम पर अपने भतीजे मनपा वरिष्ठ पार्षद सुमित पाटिल को भिवंडी मनपा महापौर बनाए जाने की कवायद में जुटे हैं.

भिवंडी के इतिहास में महापौर का चुनाव करीब 25 वर्षों से संख्याबल के आधार पर नहीं केवल धनबल के आधार पर होता रहा है.मनपा चुनाव में सपा विधायक रईस शेख के दम पर जीत हासिल करने वाली सर्वाधिक नगरसेवकों वाली कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नगरसेवक महापौर बनाए जाने की खातिर नाट रिचेबल हैं लेकिन बहुमत का आंकड़ा कोसों दूर दिखाई देने से समर्थकों में मायूसी है.आंकड़ों को देखे तो महायुति अगर एकजुट हुई तो भी महापौर बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा जुटाने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी.राजनीतिक जानकारों की माने तो, महायुति का महापौर बनाने में पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के साथ ही विधायक महेश चौगुले की कूटनीतिक भूमिका अहम होगी.कोंकण विभागीय आयुक्त द्वारा भिवंडी मनपा महापौर चुनाव तारीख की घोषणा जल्द होने के आसार हैं.

शर्मिला पिंपोलकर बनीं ठाणे मनपा की महापौर

- कृष्णा पाटिल डिप्टी मेयर चुने गए
- पीठासीन अधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल ने की घोषणा
- निर्विरोध हुआ चुनाव

ठाणे. मनपा के मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए चुनाव आज पीठासीन अधिकारी और जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल की अध्यक्षता में हुआ। इस निर्विरोध चुनाव में, शिवसेना की शर्मिला पिंपोलकर ठाणे शहर की मेयर चुनी गईं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के कृष्ण दादू पाटिल डिप्टी मेयर चुने गए, जिसकी आधिकारिक घोषणा पीठासीन अधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल ने की।आज 4 फरवरी सुबह 11.30 बजे ठाणे मनपा की भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ऑडिटोरियम में एक स्पेशल जनरल मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में पीठासीन अधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल जिलाधिकारी, ठाणे मनपा सचिव मनीष जोशी शामिल हुए।मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव की घोषणा के बाद, ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने नई चुनी गई मेयर शर्मिला पिंपोलकर और डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल को तुलसी का पौधा देकर बधाई दी और उनका स्वागत किया।

एक पल की भी देर होती तो अनर्थ हो जाता

- ठाणे में आपदा प्रबंधन और फायर ब्रिगेड की हिम्मत से बची 70 जानें

ठाणे. मंगलवार को ठाणे में मौत दरवाज़े पर खड़ी थी। शास्त्री नगर नाका के पास मिलन हिल (ग्राउंड + 18 फ्लोर) बिल्डिंग की 10वीं मंजिल पर इलेक्ट्रिक डक्ट में लगी भीषण आग से हालात काबू से बाहर होते जा रहे थे। बिल्डिंग में घना धुआं फैल गया, 60 से 70 लोग फंस गए लेकिन उसी समय मनपा आपदा प्रबंधन और फायर ब्रिगेड फरिश्तों की तरह दौड़े और एक बड़ा हादसा टल गया।

कोई जनहानि नहीं

वहीं आपदा प्रबंधन के स्टाफ ने पूरी बिल्डिंग में तालमेल बनाए रखते हुए, बिना घबराहट फैलाए, रेस्क्यू ऑपरेशन को अच्छे से चलाया। 10वीं मंज़िल पर दो फ्लैट में फँसे सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। हालाँकि कुछ घरों को नुकसान पहुँचा, लेकिन इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि किसी की जान नहीं गई।

सुबह करीब 4.14 बजे घटना की जानकारी मिलते ही आपदा प्रबंधन के अधिकारी और कर्मचारी यूटिलिटी गाड़ियों के साथ और फायर ब्रिगेड के अधिकारी और कर्मचारी फायर और रेस्क्यू गाड़ियों के साथ कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गए। आग से 10वीं और 13वीं मंज़िल के बीच बहुत ज़्यादा धुआँ फैल गया था और बिल्डिंग में रहने वाले 60 से 70 लोग अपनी जान बचाने के लिए फँस गए थे। हालात की गंभीरता को समझते हुए, फायर ब्रिगेड के लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और सीढ़ियों, प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट और ब्रीदिंग अपैरेटस की मदद से लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा। घटना की गंभीरता को समझते हुए आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी और फायर स्टेशन के डिप्टी फायर ऑफिसर प्रशांत मुलिया मौजूद थे। फायर ब्रिगेड के लोगों की मदद से, उन्होंने तुरंत दो घायल सीनियर सिटिज़न्स को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

केडीएमसी के महापौर पद पर हर्षाली थवील-चौधरी की निर्विरोध नियुक्ति

- भाजपा के राहुल दामले बने उपमहापौर

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के महापौर और उपमहापौर पद के लिए हुई चुनाव प्रक्रिया में हर्षाली चौधरी थविल को महापौर पद पर तथा राहुल दामले को उपमहापौर पद पर निर्विरोध चुना गया है। इस चुनाव के बाद महापालिका के सभागार में खुशी का माहौल देखने को मिला। सभी दलों के नगरसेवकों ने नए महापौर और उपमहापौर को बधाई देते हुए उनके आगे के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। महापौर और उपमहापौर पद के चुनाव के बाद आयोजित विशेष बैठक में जनप्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नया नेतृत्व जनहित के लिए कार्य करेगा। नवनिर्वाचित नगरसेवकों ने यह उम्मीद जताई कि प्रशासनिक राज्य के कारण रुके हुए विकास कार्यों को अब गति मिलेगी। निर्विरोध घोषणा होते ही महापौर हर्षाली चौधरी ने सांसद डा. श्रीकांत शिंदे की मौजूदगी में महापौर का पदभार स्वीकारा।

इस बीच, इस चुनाव में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के 'नॉट-रीचेबल' नगरसेवक राहुल कोट, स्वप्नाली केणे और मधुर म्हात्रे महापौर और उपमहापौर के चुनाव के लिए सभागार में अनुपस्थित रहे, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इन तीनों की अनुपस्थिति को लेकर पार्टी ने गंभीर संज्ञान लिया है और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उनके जवाब के बाद उचित पार्टी कार्रवाई की जाएगी, ऐसी जानकारी पार्टी सूत्रों ने दी है। ठाकरे गुट की चौथी 'नॉट-रीचेबल' नगरसेवक कीर्ति ढोणे हालांकि सभागार में उपस्थित थी। उन्होंने अपनी उपस्थिति के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा स्पष्ट की।

मुंबई लोकल में 2025 में 4,841 यात्री घायल व मृत

- आरटीआई से सामने आई चौंकाने वाली सच्चाई

नवी मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली उपनगरीय रेलवे यात्रियों के लिए लगातार जानलेवा साबित हो रही है। वर्ष 2025 में मुंबई लोकल रेलवे नेटवर्क पर कुल 4,841 यात्री घायल या मारे गए, यह गंभीर खुलासा सामाजिक कार्यकर्ता समीर ज़ावेरी द्वारा सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) से सूचना के अधिकार (RTI) के तहत प्राप्त आंकड़ों से हुआ है।

आरटीआई के इन आंकड़ों ने रेलवे प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण नीति और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की पोल खोलकर रख दी है।आरटीआई के अनुसार वर्ष 2025 में चलती लोकल ट्रेनों से गिरने के 1,713 मामले दर्ज किए गए, जिनमें

1,188 यात्री घायल हुए।जबकि 525 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई।भीड़ के चलते दरवाजों पर लटककर यात्रा करना आज भी मजबूरी बना हुआ है। पीक ऑवर्स में फुटबोर्ड पर सफर करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे गिरने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं रिलवे ट्रैक पार करना भी यात्रियों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।आरटीआई आंकड़ों के मुताबिक, अनधिकृत ट्रैक क्रॉसिंग के 1,298 मामले सामने आए, जिनमें1,063 लोगों की मौत, और 235 लोग घायल हुए।

समीर ज़ावेरी का कहना है कि इनमें से अधिकांश हादसे पूरी तरह रोके जा सकते थे, यदि रेलवे ट्रैक के किनारे बाउंड्री वॉल और प्लेटफॉर्म के अंतिम छोर पर फेंसिंग की व्यवस्था होती।यात्रियों की भीड़ कम करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे के रिसर्च डिज़ाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइज़ेशन (RDSO) ने वर्ष 2008–09 में 18-कोच उपनगरीय ट्रेनों को मंजूरी दी थी।हालांकि, 16 वर्ष बीत जाने के बावजूद मुंबई लोकल नेटवर्क में इन ट्रेनों का व्यापक संचालन अब तक नहीं हो सका है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 18-कोच ट्रेनों को समय रहते लागू किया गया होता, तो आज हजारों जानें बचाई जा सकती थीं।

कोस्टल रोड टनल में नाबालिग ने कार को टक्कर मार दी, 3 लोग घायल

मुंबई. मुंबई के कोस्टल रोड टनल में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने आगे चल रही कार को पीछे से टक्कर मार दी. इस हादसे में 3 लोग घायल हो गए, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुलिस जांच में सामने आया है कि मर्सिडीज एक नाबालिग चला रहा था. हादसा रात करीब 1.45 बजे मुंबई कोस्टल रोड टनल के भीतर हुआ. पुलिस के मुताबिक, मर्सिडीज ने अचानक तेज रफ्तार में आगे चल रही कार को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि सामने वाली कार में बैठे लोग झटके से घायल हो गए. हादसे के बाद टनल में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ.

हादसे में जिस कार को टक्कर लगी, उसे मीरा रोड निवासी 36 वर्षीय प्रसन्न मोपकर चला रहे थे. उनके साथ उनकी पत्नी और सास भी मौजूद थीं. तीनों बोरीवली से कोलाबा स्थित एक होटल में डिनर के लिए जा रहे थे. टक्कर के बाद प्रसन्न मोपकर और उनकी सास को हल्की चोटें आईं, जबकि उनकी पत्नी की नाक में गंभीर चोट लगी. हादसे के तुरंत बाद घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. डॉक्टरों के अनुसार महिला की नाक में गंभीर चोट आई है और उनका इलाज जारी है. बाकी दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई.

नाबालिग चला रहा था मर्सिडीज

पुलिस जांच में पता चला कि मर्सिडीज एक वरिष्ठ नागरिक कारोबारी के नाम पर रजिस्टर्ड है. उनकी 18 वर्षीय पोती घर से कार की चाबी लेकर बाहर निकली थी, जबकि कार उसका 17 वर्षीय दोस्त चला रहा था. यानी हादसे के वक्त वाहन नाबालिग के हाथ में था.

कल्कि के सीक्वल से दीपिका के बाहर होने की चर्चा

- साई पल्लवी को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी
- मेकर्स ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'कल्कि 2898 AD' की बड़ी सफलता के बाद इसके सीक्वल को लेकर बॉलीवुड और टॉलीवुड में एक बार फिर चर्चा जोरों पर है। मूल फिल्म में दीपिका पादुकोण ने SUM-80 (सुमति) के रूप में अहम भूमिका निभाई थी और फिल्म ने दुनिया भर में शानदार कमाई की थी।

हिंदुस्तान टाइम्स की खबर के मुताबिक दीपिका पादुकोण अब सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी, और उनकी जगह दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री साई पल्लवी को इस रोल के लिए विचार किया जा रहा है। हालांकि, यह अभी तक आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मेकर्स के प्रतिनिधि ने संकेत दिया है कि साई पल्लवी पर टीम की नजर है।

अभी तक सार्वजनिक बयान में कहीं यह नहीं कहा गया कि साई पल्लवी ने भूमिका स्वीकार कर ली है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि दीपिका के सीक्वल से हटने के बाद निर्माता इस भूमिका में साई पल्लवी को बेस्ट चॉइस मान रहे हैं। मेकर्स ने कहा है कि कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है और वह जल्द ही आधिकारिक घोषणा करेंगे।

देखा जाए तो SUM-80 का किरदार कल्कि की कहानी में बेहद महत्वपूर्ण था। पहली फिल्म के अंत में यह किरदार कहानी की अगली कड़ी के लिए काफी बड़ा रोल छोड़कर गया था, इसलिए उसके बिना सीक्वल को लेकर फैन्स में काफी उत्सुकता बनी हुई है। साई पल्लवी की ब्रॉड एक्टिंग रेंज और मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस को देखते हुए यह कास्टिंग चर्चा फिल्म प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

दीपिका के सीक्वल से हटने के कारणों को लेकर अलग-अलग रिपोर्ट्स आई हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उनकी भूमिका कम होने या रचनात्मक मतभेद के कारण उन्होंने खुद इस प्रोजेक्ट से दूरी बनाई। हालांकि, इससे जुड़े कई पहलू अभी आधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं किए गए हैं।

CSMT का प्लेटफॉर्म 16-17 85 दिनों के लिए बंद

मुंबई. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) के पुनर्विकास के चलते 1 फरवरी से 26 अप्रैल 2026 तक प्लेटफॉर्म 16 और 17 पर ट्रैफिक व पावर ब्लॉक लिया जाएगा। 85 दिन के लिए यह प्लैटफॉर्म बंद रहेगा। जानकारी के अनुसार, यह काम रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) द्वारा किया जाएगा। ब्लॉक की अवधि के दौरान प्लैटफार्म 16 और 17 से रेल परिचालन कार्य पूर्ण होने और RLDA द्वारा प्लैटफार्म को यातायात के लिए सौंपे जाने तक निलंबित रहेगा।

बता दें कि इसके पहले CSMT के प्लेटफॉर्म 12 और 13 के एक्सटेंशन का काम किया गया था। इसके बाद 24 डिब्बों की ट्रेन परिचालन के लिए प्लैटफॉर्म सक्षम है। हालांकि इसका इस्तेमाल तब तक शुरू नहीं हो सकता है, जब तक RLDA द्वारा सभी काम पूरे नहीं किए जाते।

ठाणे में राकांपा कार्यालय में अजित पवार को श्रद्धांजलि

ठाणे. उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अस्थि कलश सोमवार को ठाणे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के कार्यालय में लाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं एवं लोगों ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। अजित पवार के करीबी राकांपा नेता आनंद परांजपे इस मौके पर भावुक हो गए और रो पड़े।

राकांपा, राकांपा (शप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता एवं कार्यकर्ता भी दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उमड़ पड़े। पुणे जिले में 28 जनवरी को एक चार्टर्ड विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

आम सूचना

मैं श्रीमती चांदनी सुबोध श्रीवास्तव सभी को सूचित कर रही हूं कि ग्राऊंड व पहला माला, बैरक नं. 575, रुम नं. 1, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 19एआय004363000) उक्त प्रॉपर्टी श्री संतोष गोविंदराम चांदवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 27.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती चांदनी सुबोध श्रीवास्तव

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099